वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 224 | शुक्रवार 9 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सोनिया गांधी 4 दिन के दौरे पर पहुंची राजस्थान

9 दिसम्बर को रणथम्भौर में मनाएंगी जन्मदिन, राहुल-प्रियंका संग चुनावी रिजल्ट पर होगी चर्चा

जयपुर. कासं

यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी आज 4 दिन के राजस्थान दौरे के लिए जयपुर एयरपोर्ट पहुंची। सोनिया गांधी एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर के जरिए सीधा रणथणभौर पहुंची हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बीच सोनिया गांधी 9 दिसम्बर को अपना जन्मदिन राहुल गांधी के साथ रणथम्भौर में ही मनाएंगी। माना जा रहा है कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी भी इस दौरान रणथम्भौर पहुंच सकती हैं।

जन्मदिन के साथ चुनावी रिजल्ट पर होगी चर्चा

तय प्रोग्राम के मुताबिक सोनिया गांधी 11 दिसंबर तक राजस्थान में रहेंगी। सोनिया गांधी का जन्मदिन कल 9 दिसंबर को रणथंभौर में राहुल गांधी, सीएम अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट, प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के साथ मनाया जाएगा। इसके बाद सोनिया गांधी का राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में चलने का भी कार्यक्रम है। 11 दिसंबर को दोपहर 2:20 बजे इंडिगो फ्लाइट से सोनिया गांधी वापस दिल्ली रवाना होंगी। राजस्थान में सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव और

हिमाचल प्रदेश-गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद पूरा गांधी परिवार (सोनिया-राहुल-प्रियंका) एक साथ, एक दिन, एक ही जगह पर होंगे, इसकी पूरी सम्भावना है। चुनावी रिजल्ट के बाद कांग्रेस के अगले राजनीतिक कदम पर भी इस दौरान चर्चा होगी। माना जा रहा है हिमाचल-गुजरात रिजल्ट के बाद प्रियंका गांधी भी रणथम्भौर पहुंचेंगी।

नई रोशनी लेकर कांग्रेस यहां से चलेगी

राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने एयरपोर्ट पर मीडिया से रूबरू होकर कहा- ये बहुत बड़ी बात है कि राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा चल रही है। उसी दौरान 9 दिसम्बर को सोनिया गांधी का जन्मदिन है। एक नई रोशनी लेकर कांग्रेस यहां से चलेगी। हम राजस्थान में कांग्रेस सरकार रिपीट करने के लिए काम करेंगे। राजस्थानी बहुत विद्वान हैं। जो कांग्रेस ने एक्चुअल काम किया है वो हम लोगों में अभी से लेकर जाएंगे, इसे लेट नहीं करेंगे।

मेरी प्रायोरिटी रहेगी डिसीप्लेन मेंटेन रखूंगा, व्यक्ति विशेष को बाद में देखेंगे

सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच चल रही खींचतान पर रंधावा बोले- अभी मैं यात्रा में ही आया हूँ। उन्होंने स्वीकार किया - ऐसी बातें हैं। लेकिन मेरी प्रायोरिटी रहेगी डिसीप्लेन को मेंटेन रखूंगा। व्यक्ति विशेष को बाद में देखेंगे।

भारत जोड़ो यात्रा के बाद जिला और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बनाई जाएंगी

रंधावा ने कहा- छोटे से लेकर बड़ा और बच्चे से लेकर बूढ़ा तक हर व्यक्ति राहुल के साथ भारत जोड़ो यात्रा में जुड़ रहा है। पूरी हिन्दुस्तान की पिक्चर यात्रा में दिखाई दे रही है। कांग्रेस ने आजादी से पहले जो काम किया था। वही आज हम लेकर चल रहे हैं। देश की आजादी और अखण्डता को बरकरार रखने पर जोर है। यात्रा के बाद डीसीसी, बीसीसी बनाई जाएंगी। जल्द ही संगठन को मजबूत करने का काम किया जाएगा। कांग्रेस की योजनाओं का प्रचार हमें लोगों के बीच ले जाना होगा। पंजाब में कांग्रेस सरकार ने काम किया, लेकिन उसे हम यूटिलाइज नहीं कर पाए। वो यहां राजस्थान में नहीं दोहराया जाएगा।

करोड़पति सूचना सहायक का एक और राज खुला

तीन देश घूम चुकी प्रतिभा का ऑस्ट्रेलिया में बैंक खाता, पति ने ठगी के पैसे इसी में जमा किए

जयपुर. कासं

एंटी करप्शन ब्यूरो के रडार पर आई सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की सूचना सहायक प्रतिभा कमल की परेशानी बढ़ सकती है। एसीबी की जांच में एक पुराने मामले के तहत उनका ऑस्ट्रेलिया में भी बैंक अकाउंट मिला है। इस मामले में उनका पति अमित भी शामिल है। इस अकाउंट में ठगी के रुपए ट्रांसफर करवाए गए थे। इतना ही नहीं, प्रतिभा कमल तीन अलग-अलग देशों की यात्राएं कर चुकी हैं। एसीबी अधिकारियों के अनुसार तीन साल पहले एक आईटी कंपनी में काम करने वाले प्रतिभा कमल के पति ने कुछ साथियों के साथ मिलकर डेढ़ करोड़ की धोखाधड़ी की। ठगी के पैसे ऑस्ट्रेलिया में संचालित पत्नी प्रतिभा के खाते

में जमा करवाए थे। इस संबंध में कपंनी ने वर्ष 2020 में विद्याधर नगर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। इसकी जांच कमिश्नरेट में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जा रही है। एसीबी अधिकारियों को आशंका है कि इस अकाउंट में दो सालों में और भी रुपए ट्रांसफर किए गए होंगे। प्रतिभा कमल ने यूके, ऑस्ट्रेलिया और यूएई की यात्रा की है। इस दौरान संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ की जा सकती है। बताया जा रहा है कि इन दिनों की छुट्टियों के बिलों को पास करने वाले जिम्मेदारों पर भी एसीबी की गाज गिर सकती है। मंगलवार को एसीबी ने प्रतिभा के अनिता कॉलोनी स्थित घर व टोंक रोड स्थित पति के ऑफिस में सर्च कार्रवाई की थी। यहां से एसीबी ने 22.90 लाख रुपए, 1.3 किलो सोने के आभूषण, 2 किलो चांदी, बीएमडब्ल्यू कार, बीएमडब्ल्यू बाइक सहित चार वाहन, एक ऑफिस, एक फ्लैट, 7 दुकानें सहित 13 आवासीय व व्यवसायिक संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए थे। इसके अलावा एसीबी को परिजनों के नाम से 11 बैंक खाते, 12 बीमा पॉलिसी के दस्तावेज भी मिले थे। एसीबी ने बुधवार को उनके बैंक लॉकर की जांच करवाई थी, जो खाली मिला। यह संपत्ति प्रतिभा की आय से 1300 प्रतिशत ज्यादा है।

साइलेंट किलर है हाइपरटेंशन

हाइ ब्लड प्रेशर यानी उच्च रक्तचाप एक ऐसी समस्या है, जो जानलेवा साबित होने के साथ कई गंभीर बीमारियों को बढ़ावा भी दे सकती है. इसी के चलते हाइपरटेंशन को साइलेंट किलर भी कहा जाता है. भारत में हाइ ब्लड प्रेशर न सिर्फ एक सामान्य स्वास्थ्य समस्या है, बल्कि मौत का चौथा सबसे बड़ा कारण भी है. जानें इस समस्या एवं इससे बचाव के तरीकों के बारे में.

हर 10 में से 3 भारतीय को हाइपरटेंशन की शिकायत

213 करोड़ है दुनिया में हाइपरटेंशन से ग्रसित लोगों की संख्या
दुनिया का हर चौथा व्यक्ति हाइ ब्लड प्रेशर का मरीज.

2013 से 2030 के बीच दुनिया में उच्च रक्तचाप के मामलों में 8 फीसदी के इजाफे का अनुमान है.

20 करोड़ के करीब भारतीय वयस्कों को हाइ ब्लड प्रेशर की समस्या है.

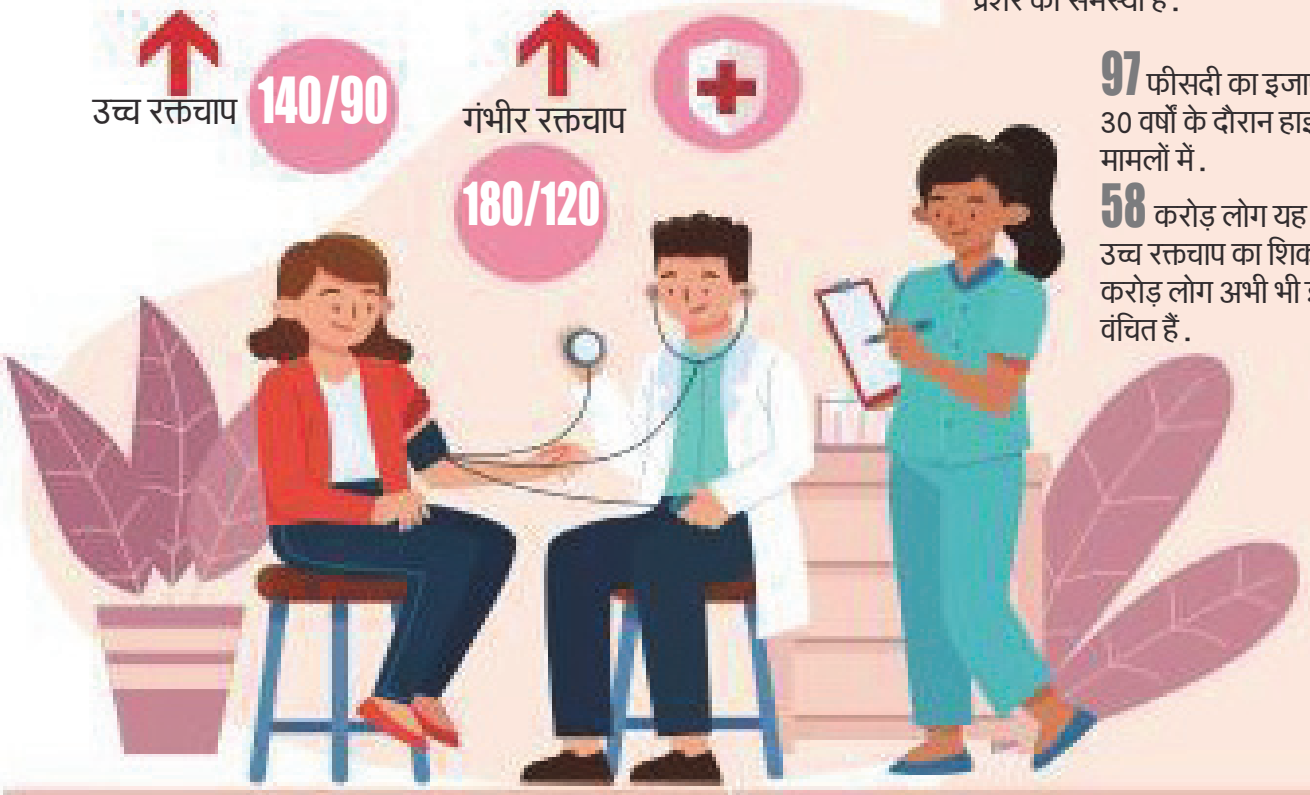

97 फीसदी का इजाफा हुआ है पिछले 30 वर्षों के दौरान हाइपरटेंशन के मामलों में.

58 करोड़ लोग यह नहीं जानते कि वे उच्च रक्तचाप का शिकार हैं, जबकि 72 करोड़ लोग अभी भी इसके इलाज से वंचित हैं.

हाइ ब्लड प्रेशर है कई समस्याओं का जनक

- हार्ट अटैक
- हार्ट स्ट्रोक
- क्रोनिक किडनी डिजीज
- दृष्टि हानि

कारक जो बढ़ा देते हैं जोखिम

- बढ़ती उम्र
- ज्यादा वजन व मोटापा
- डायबिटीज
- फैमिली हिस्ट्री
- तनाव व चिंता
- धूम्रपान

ग्रामीण इलाकों में भी बढ़ रहे मामले

33% शहरी आबादी को है उच्च रक्तचाप की शिकायत.

25% ग्रामीण इलाके में रहने वाले हैं, इस समस्या से ग्रसित.

42% शहरी एवं 25% ग्रामीण आबादी इसके प्रति जागरूक है.

38% शहरी भारतीय ही इस समस्या का इलाज करा रहे हैं, जबकि गांव में ये आंकड़ा **25%** है.

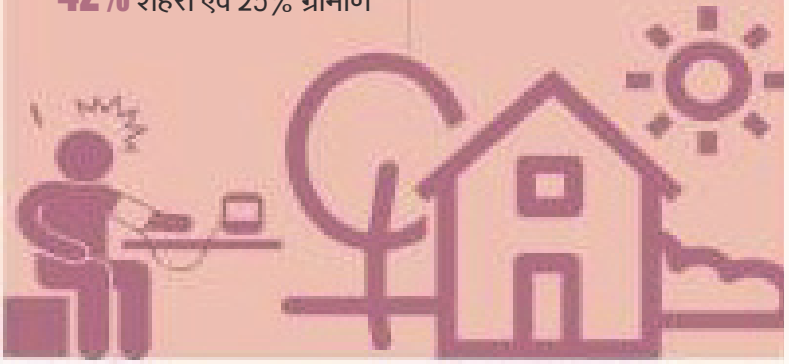

जैन सोश्यल ग्रूप मैन तथा संगिनी मैन द्वारा बालिका विवाह मे सहयोग किया

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रूप मैन तथा संगिनी मैन द्वारा बालिका विवाह मे बोल्या दम्पती के सहयोग से विवाह योग्य सामग्री उपहार स्वरूप दी। श्याम लाल शिशोदिया जोन कोर्डिनेटर (1) मेवाड़ रीजन ने बताया कि 8 दिसंबर 2022 को सेवभावी दंपत्ति सदस्य और पूर्व उपाध्यक्ष डॉक्टर मनसुख व संगिनी मेन की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सरोज जी बोल्या के सौजन्य से

एक जरूरतमंद लड़की की शादी में पहरावनी, जैन सोशल ग्रुप मेन एवं संगिनी मेन के तत्वाधान में प्रदान की गई। बोल्या दम्पती ने अपनी शादी की 50 वी वर्षगांठ के सम्मान समारोह मे इसकी घोषणा की थी। सहयोग स्वरूप पायजेब जोड़ी एक चांदी की, रखड़ी एक हेम की(सोने की),

मंगलसूत्र एक हेम का, कान की झुमकीया सेट हेम का, 7ड्रेस व कपड़े तथा अन्य सामग्री व नकद राशी भी प्रदान की। जेएसजी आईएफ मेवाड़ रीजन के संस्थापक चेयरमैन डॉक्टर ओम प्रकाश चपलोत, फेडरेशन के कमिटी चेयरमैन हरक लाल जी दुग्गड, मेवाड़ रीजन के जोन कोऑर्डिनेटर व पूर्व अध्यक्ष श्याम लाल सिसोदिया, ग्रूप अध्यक्ष केएल सिसोदिया, उपाध्यक्ष शांतिलाल मेहता, संगिनी मैन की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सरोज बोलिया,श्रीमती सरोज सिसोदिया, सँगिनी अध्यक्ष - उर्मिला शिशोदिया व कुसुम मेहता ने पधार कर अपनी शुभकामनाएं तथा आशीर्वाद प्रदान किया तथा बोल्या परिवार को इस नेक कार्य के लिए आभार व धन्यवाद दिया।

तपोभूमि प्रणेता प्रज्ञा सागर महाराज का अपने गुरु पुष्पदंत सागर महाराज से हुआ महामिलन

जो गिर कर कभी टूटते नहीं वे कभी सूखते नही : प्रज्ञासागर महाराज

पुष्पगिरी. शाबाश इंडिया। तपोभूमि प्रणेता आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने संघ संहित पुष्पगिरी आकर गुरुदेव पुष्पदंत सागर महाराज के दर्शन किये। पूज्य पूज्य आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने अपने शब्दों में कहा कि कथा कहानियां जीवन का सत्य उद्घाटित करती है। सत्य से परिचय करवाती है।अतः इनका जीवन में बहुत महत्व है। गुरुदेव जो कहानी सुना रहे थे वह कहती है कि गिर जाना लेकिन टूटना मन। क्योंकि जो गिरकर भी टूटते नहीं है, वे कभी सूखते नहीं है।मैं तो दूर रहता हूँ तब भी इन चरणों से जुड़ा होता हूँ। मेरी खुशहाली का कारण ही यही है कि मैं जुड़ा हुआ हूँ। पूज्य आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने यह विचार शाम आनंदयात्रा के तहत गुरुदेव के समक्ष व्यक्त किये। उनके पूर्व पूज्य गुरुदेव पुष्पदंत सागर महाराज ने एक कहानी के माध्यम से समझाते हुए कहा-जो जन्म और मृत्यु के बेड़च है वह जीवन है।जीवन का एक सिरा जन्म है तो दूसरा सिरा मृत्यु है।जन्म लेने वाला हर बच्चा मृत्यु के साथ जन्म लेता है।

वेद ज्ञान

राक्षसी कर्मों की पराजय...

सनातन धर्म में तथ्यों को इस प्रकार परिभाषित किया गया है कि ये समय के अनुसार अपनी मूल भावना को सुरक्षित रखते हुए हर काल में सार्थक प्रतीत होते रहें। इसी क्रम में देवताओं और राक्षसों को परिभाषित किया गया है। मानवता का तात्पर्य ऐसे कृत्यों से है, जिससे संपूर्ण मानव जाति का कल्याण और सुरक्षा हो सके। इसलिए जो कृत्य मानवता के विपरीत होते हैं, उन्हें राक्षसी और जो इसके हित में होते हैं उन्हें देवतुल्य कहा जाता है। स्पष्ट है कि दूसरों को पीड़ा देने वाले कृत्यों जैसे हिंसा, चोरी और स्त्रियों के प्रति अपराध आदि को ही राक्षसी कृत्य कहा जाता है। आदिकाल में भी मानव समाज के कुछ लोग मानवता के विपरीत ऐसे कृत्य करते थे, जिन्हें त्रेता और द्वापर युग में राक्षस पुकारा जाता था। इस समय कलियुग में तो इनकी भरमार है। इनकी भरमार होने के कारण आज के युग में मानवता के स्थान पर जंगल के नियमों का ही वर्चस्व कायम है। ऐसा इसलिए, क्योंकि राक्षसी प्रवृत्ति के अनेक मनुष्य भौतिक जगत में किसी भी प्रकार से अकूत धन कमाने का कृत्य करते हैं। कुछ लोग हैं, जो सत्ता और अपने विशेषाधिकारों के जरिये बेशुमार धन अर्जित करना चाहते हैं। प्रजातंत्र में वोटों से सत्ता प्राप्त होती है, लेकिन कुछ लोग सत्ता का दुरुपयोग कर धन कमाने को अपने जीवन का लक्ष्य मानते हैं। जो कार्य किसी लोभ या लालच के बगैर दूसरों की भलाई के लिए किए जाते हैं, उन्हें देवतुल्य कहा जाता है। जैसे सूर्य और पवन पूरे संसार को प्रकाश और वायु प्रदान करते हैं। इसलिए इनको सूर्य और पवन देव पुकारा जाता है। इसी प्रकार इंद्र संसार को बारिश के जरिये जल देते हैं, इसलिए उन्हें भी देव कहा जाता है। इस प्रकार त्रेता और द्वापर युग में सद्कर्म करने वाले लोगों की संख्या ज्यादा थी। इसीलिए ऐसी मान्यता है कि उपर्युक्त दोनों युगों में आम जनता सुखी थी और चारों तरफ शांति व प्रेम का वातावरण व्याप्त था। बहरहाल नैतिक मूल्यों में गिरावट के कारण त्रेता, द्वापर युग में परिवर्तित हो गया और गिरावट का क्रम सतत चलने के कारण द्वापर घोर कलियुग में परिवर्तित हो गया। कलियुग में भी देवतुल्य लोग हुए हैं, परंतु इनकी संख्या नगण्य है। आज के युग में भी सार्वजनिक धन की लूट और जनता की भलाई के कार्यों में भी भ्रष्टाचार व्याप्त है।

संपादकीय

लिफ्ट या रैंप के अभाव की खबर हैरान करने वाली

किसी भी सार्वजनिक भवन का निर्माण करते समय यह सुनिश्चित करना प्राथमिक और अनिवार्य होना चाहिए कि उसमें किसी शारीरिक बाधा का सामना कर रहे व्यक्ति को आने-जाने में परेशानी न हो। हालांकि बहुमंजिला इमारतों में अब आमतौर पर लिफ्ट या अन्य व्यवस्थाएं की जाती हैं, लेकिन अक्सर ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिसमें सभी सुविधाओं से लैस कोई भवन बना तो दिया जाता है, मगर उसमें यह ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा जाता कि अगर किसी व्यक्ति के पांवों में दिक्कत है तो उसे ऊपरी मंजिलों पर या कहीं भी सीढ़ियां चढ़ने में किस परेशानी का सामना करना पड़ेगा। यह अदूरदर्शिता और अव्यवस्था अगर कहीं अस्पतालों तक में दिखती है तो इसे एक विडंबना ही कहा जाना चाहिए। दिल्ली के कुछ अस्पतालों में दिव्यांगजनों के आने-जाने के लिए लिफ्ट या फिर सपाट सीढ़ी यानी रैंप के अभाव की खबर हैरान करने वाली है। सवाल है कि इसके निर्माण से लेकर अब तक इस पहलू पर

गौर करना जरूरी क्यों नहीं समझा गया, जबकि अस्पतालों में इस तरह की व्यवस्था को अनिवार्य माना जाना चाहिए। गौरतलब है कि दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में पुस्तकालय में आने-जाने के लिए दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए लिफ्ट और रैंप जैसी व्यवस्था नहीं की गई है। वर्धमान महावीर मेडिकल कालेज के पुस्तकालय में जाने के लिए दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए विशेष टाइलों वाले रास्ते से लेकर अन्य दिव्यांगजनों के लिए जरूरी सुविधाओं का खयाल रखना जरूरी नहीं समझा गया है। इसी तरह दिल्ली के जाने-माने अस्पताल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में दिव्यांगों के लिए अनुकूल शौचालय और अन्य सुविधाओं का अभाव है। किसी अस्पताल में लिफ्ट या रैंप के लिए जगह तो निर्धारित है, मगर सालों से यह सुविधा अधर में लटकी हुई है। इस वजह से किसी तरह की दिव्यांगता से दो-चार विद्यार्थियों को कैसी परेशानी से गुजरना पड़ता होगा, यह समझा जा सकता है। यों सरकारों का दावा हमेशा यही रहता है कि वह समूची आबादी का खयाल रखने के लिए हर संभव प्रयास करती है, मगर ऐसे दावों की हकीकत जमीन पर कुछ और ही होती है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 में सभी इमारतों को इस दायरे में आने वाले लोगों के लिए सुलभ और अनुकूल बनाने के मद्देनजर पांच साल की समय सीमा दी गई थी। लेकिन अगर आज भी इस मसले पर आधे-अधूरे ढंग से काम हुआ है और इसका खमियाजा दिव्यांग लोगों को उठाना पड़ रहा है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? विचित्र है कि दिल्ली देश की राजधानी है और यहां के अस्पतालों सहित सभी सार्वजनिक भवन या तो दिल्ली सरकार के तहत आते हैं या फिर केंद्र सरकार के। सभी लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के मामले में दोनों ही सरकारें बढ़-चढ़ कर अक्सर दावे करती रहती हैं। लेकिन क्या कभी इन दावों में यह चिंता भी शामिल रहती है कि अस्पतालों में इलाज के लिए आने वालों से लेकर खुद उस परिसर में कामकाज करने वाले लोग भी किसी शारीरिक असुविधा का सामना कर रहे होंगे। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नशे का जाल...

पंजाब में फैलते नशे के कारोबार को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। उसने कहा कि पंजाब की हर गली में एक भट्ठी है, गरीब लोग नकली शराब पीकर मर रहे हैं। इस तरह तो युवा खत्म हो जाएंगे। अदालत ने पंजाब सरकार से नकली शराब की बिक्री रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने को कहा है। इसके साथ ही चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो स्थानीय पुलिस को जवाबदेह माना जाएगा। पिछले विधानसभा चुनाव में नशे का कारोबार बड़ा मुद्दा था। आम आदमी पार्टी ने बढ़-चढ़ कर इसके लिए पिछली सरकारों को दोषी करार दिया और सत्ता में आने के बाद नशे के कारोबार को खत्म करने का दावा किया था। मगर अभी तक इस दिशा में कोई सकारात्मक पहल नहीं दिख रही। कहा जाता है कि पंजाब सीमावर्ती राज्य है और यहां सीमा पार से नशे की खेप को रोकना मुश्किल बना हुआ है। मगर इस तर्क पर राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारियों पर परदा नहीं डाल सकती। सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा है कि अगर सीमावर्ती राज्य सुरक्षित नहीं है, तो फिर कैसे चलेगा। पंजाब में नशे के कारोबार का जाल बहुत पुराना है। अब यह भी छिपा नहीं कि इसे राजनीति और प्रशासन के शीर्ष स्तर से शह मिलती रही है। इस सिलसिले में पुलिस के कई बड़े अधिकारी और कुछ राजनेता भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसलिए ऐसा नहीं माना जा सकता कि पंजाब पुलिस को नशे का जाल फैलाने वालों के बारे में बिल्कुल जानकारी न हो। मगर ऐसी समस्याओं से निपटने के लिए जिस राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है, वह शायद वर्तमान पंजाब सरकार के पास नहीं है। जिस राज्य में गली-गली में नकली शराब बनती, मादक पदार्थों की बिक्री होती हो, जिसके चलते वहां के युवा असमय मौत के मुंह में समा जाते हों, वहां की सरकार अगर इस समस्या से पार पाने को केवल चुनावी जुमला बना कर यथास्थिति को स्वीकार किए बैठी रहे, तो इससे बड़ी विडंबना कुछ हो नहीं सकती। हालांकि यह समझना मुश्किल नहीं है कि नशे के कारोबारी इतने ताकतवर होते हैं और अक्सर उनके तार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़े होते हैं, इसलिए उन पर हाथ डालने का साहस सरकारें कर नहीं पातीं। दबे-छिपे ढंग से यह भी कहा जाता है कि ये कारोबारी राजनीतिक दलों को चुनाव के वक्त बड़े पैमाने पर आर्थिक मदद मुहैया कराते हैं। पंजाब की पिछली सरकारों से लोग इसीलिए नाराज थे कि उन्होंने नशा कारोबारियों पर शिकंजा कसने का साहस नहीं दिखाया, बल्कि वे उन्हें अंदरखाने शह देती रहीं। आम आदमी पार्टी से उन्हें भरोसा बना था कि वह पंजाब को लीलते नशे के कारोबार पर अंकुश लगाएगी। मगर वह भी इस मामले में शिथिल या विफल नजर आ रही है, तो उसे लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। इस दिशा में वह सर्वोच्च न्यायालय के सामने अपनी तैयारियों का क्या ब्योरा पेश करती है, देखने की बात है। मगर जिस तरह उसकी सरकार आने के बाद वहां आपराधिक गतिविधियां नए सिरे से सिर उठाने लगी हैं, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह कानून-व्यवस्था के मामले में सख्त सरकार साबित नहीं हो रही। अपराध और नशे का कारोबार साथ-साथ फलते-फूलते हैं। अगर अब भी पंजाब सरकार इसे लेकर सख्त नहीं हुई, तो आने वाले समय में स्थितियां और विकट होंगी।

स्वर्गीय पं. राजेंद्र भट्ट स्मृति संगीत समारोह 9 दिसम्बर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रसिद्ध संगीतकार एवं संगीत गुरु स्वर्गीय राजेंद्र भट्ट की स्मृति में 49 वाँ संगीत समारोह माहेश्वरी स्कूल तिलकनगर के लाहोटी सभागार में 9 दिसम्बर को मनाया जाएगा। शाम 6.00 बजे से आयोजित किया जाने वाला ये समारोह शहर के छह दशक से भी अधिक पुराने कल्पना संगीत विद्यालय की ओर से प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम गायक एवं प्रमुख समाजसेवी संजय महेश्वरी ने बताया कि ये समारोह प्रमुख शिक्षाविद् स्वर्गीय केदार नाथ माहेश्वरी जी को भी समर्पित किया जाएगा। इस मौके पर जयपुर की विदूषी जया गोस्वामी, भोपाल के पुरूषोत्तम चक्रवर्ती और बीकानेर के अमित गोस्वामी के गीत और गजल का कार्यक्रम होगा। इस दौरान इसके अलावा पं. राजेन्द्र भट्ट और उनके पुत्र व शिष्य पं. आलोक भट्ट तथा कालजयी कृति के धनी ललित गोस्वामीजी के जन्मशताब्दी वर्ष में उनके गीतों की संगीत रचनाएं भी प्रस्तुत की जाएंगी जिन्हें स्वयं आलोक भट्ट के अलावा डॉ. गौरव जैन, सुमंत मुखर्जी और दीपशिखा जैन अपनी आवाज देंगे। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली गोस्वामी, भट्ट, तैलंग समाज की छह विभूतियों का भी सम्मान किया जाएगा। सम्मानित होने वालों में बीकानेर के शायर व सरोद वादक अमित गोस्वामी, वरिष्ठ कला समीक्षक एवं संस्कृतिकर्मी सर्वेश भट्ट, फर्स्ट इंडिया टीवी के वरिष्ठ पत्रकार ऋतुराज शर्मा, न्यूज 18 के स्टेट हैड अमित भट्ट तथा युवा गायक व संगीतकार अंकित भट्ट शामिल हैं।

समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली गोस्वामी, भट्ट, तैलंग समाज की छह विभूतियों का भी सम्मान किया जाएगा।

समाज में धर्म के नाम पर वैमनस्य फैला रहे है: शुद्धसागर महाराज

कोटा. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन मन्दिर तलवण्डी में विराजमान दिगम्बर युवा संत मुनि 108 श्री शुद्ध सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में समाज मे धर्म के नाम पर फैल रहे द्वेष के बारे में बोलते हुए कहा कि धर्म के मार्ग में हम अपने स्वार्थ की वजह से आपसी बैर बांध रहे है, समाज मे धर्म के नाम पर वैमनस्य फैला रहे है, इन सब से समाज को बचाने की आवश्यकता है। हम हमारा सारा पुरुषार्थ इसी बात में लगाते है कि शरीर सुखी हो जाये किंतु यह सब व्यर्थ है हमे पहले यह निर्णय करना पड़ेगा कि सुखी किसको करना है शरीर को या हमारी जीव आत्मा को। हम हमारे जीव आत्मा के कल्याण का प्रयास नही करते है करते है तो भी मात्र दिखावा। शरीर की प्रशंसा ओर दिखावे में हम हमारा अमूल्य समय व्यर्थ गवा रहे है। निज ओर पर के भेद को पहचानते हुए शरीर को पराया मानते हुए निज आत्मा के कल्याण के लिए निज आत्मा से सम्बंध हेतु आगम की शरण मे, गुरु की शरण मे जाना ही पड़ेगा। इस अवसर पर समाज के सेकड़ो श्रावक जन उपस्थित रहे और गुरुवाणी का श्रवण किया। **संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी**

आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश नेमीसागर कालोनी में आज 9 दिसम्बर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिसागर जी अंकलिकर स्वामी के महत्ती पूज्य परम्परा के चतुर्थ पट्टाचार्य श्री सुनीलसागर जी यतिराज ससंघ (57 पीछी) का मंगल प्रवेश नेमीसागर कालोनी में दिनांक 9 दिसंबर को प्रातः 9.30 बजे होने जा रहा है। मुनिसंघ शुक्रवार 9 दिसम्बर को प्रातः 6.30 बजे पारसनाथ जी मंदिर खवास जी का रास्ता से बिहार कर बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़, चांदपोल, संसार चन्द्र रोड, खासा कोठी, हसनपुरा होकर खातीपुरा तिराहा पधारेंगे, जहां से बैंड बाजा के साथ नेमीसागर कालोनी के गेट नंबर एक से वर्द्धमान भवन में आगमन होगा। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा तथा चातुर्मास सयोजक राजेश गंगवाल ने बताया कि मुनीसंघ के नेमीसागर कालोनी में प्रवास के दौरान प्रतिदिन प्रवचन प्रातः 9 बजे से वर्धमान भवन में होंगे ।

महासमिति राजस्थान अंचल बैठक सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं राजस्थान अंचल स्थित सभी संभागो की संयुक्त बैठक महावीर नगर टोंक रोड पर सम्पन्न हुई। इस बैठक में विशेष रूप से स्मारिका प्रकाशन पर चर्चा हुई। साथ ही अभी सम्पन्न हुए पंचकल्याणक महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक महावीर अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में स्मारिका प्रकाशन का सम्पादन बहुत ही शानदार एवं बहुत ही अल्प समय में महासमिति के कोषाध्यक्ष सुरेश जैन बांदीकुई, ला एण्ड आर डर को जिम्मेदारी अंचल अध्यक्ष अनिल जैन आईपीएस रिटायर्ड एवं भोजन व्यवस्था में सक्रिय योगदान निर्मल संघी का भावभीना स्वागत महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल, उपाध्यक्ष सुनील जैन बज, सुनील बांस खो, महावीर चांदवाड महासमिति राजस्थान अंचल के स्मारिका प्रकाशन के सम्पादक डा प्रेमचंद जैन ने किया।

तम्बाकू छोड़ने का सबसे आसान तरीका कौन सा है?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

आज कल लोगों ने तंबाकू का सेवन करना एक फैशन के तौर पर लेना शुरू कर दिया है। आज के समय में लोग तंबाकू को न सिर्फ चबाते है बल्कि उसको फुकते है, और भी उसको अन्य प्रदार्थ में मिला कर भी तंबाकू का सेवन करते है।

आपको तम्बाकू क्यों छोड़ना चाहिए?

अब आप सोचते होंगे कि जब हमारे देश या पूरे विश्व में इतने लोग तम्बाकू का सेवन करते है तो हम क्यों इसका सेवन करना छोड़ दे। तो बात यहां आती है कि तम्बाकू एक प्रकार का नशा होता है तो आपकों कुछ पल के लिए अच्छा फील करने में सहायक साबित होता है लेकिन जब हम उसके दुष्प्रभाव की बात करे तो वो आपके शरीर के लिए बिलकुल भी अच्छा नहीं है। आप अगर तम्बाकू का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं तो फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। साथ ही साथ अगर आप तम्बाकू का सेवन अधिक मात्रा में करते है तो आपको किडनी और लिवर से जुड़ी हुई बीमारी भी हो सकती है। इसलिए हम आपको यही सलाह देंगे कि आप तम्बाकू का सेवन करना बिल्कुल बंद कर दे।

अचानक तम्बाकू छोड़ने से क्या होता है?

अगर आप एक चैन स्मोकर है और आप तम्बाकू का सेवन दिन में काफी अधिक मात्रा में करते है तो आपके शरीर को आदत पड़ जाती है इस तम्बाकू का सेवन करने की। इसलिए जब आप तम्बाकू को छोडने का प्रयास करते है तो आपको काफी ज्यादा दिक्कत का सामना करना पड़ता है। आपको कभी कभी बहुत ज्यादा ही तलब होती है इस तम्बाकू के सेवन की और अगर आप तम्बाकू को अन्य चीजों के साथ मिलाकर खाते है तो आपको शरीर में कपकापी और घबरात भी होने लगता है लेकिन अगर आप तम्बाकू का सेवन करना छोड़ना चाहते है आपको इन सब चीजों से गुजरना ही होगा।

तम्बाकू छोड़ने के लिए क्या खाए?

तम्बाकू छोड़ने के लिए आप दिन में chewgum का इस्तेमाल कर सकते है। साथ ही साथ आपको अगर आप तम्बाकू का सेवन चबा कर करते है तो आप chewgum को चबा कर अपना मुंह चला सकते है। काली मिर्च, इलायची और साधारण सुपारी को भोजन के बाद खाएं या आंवला कैंडी तम्बाकू की तलब उठने पर खाएं। अपने मन पर काबू रखें क्योंकि सकारात्मक सोच आपको तंबाकू छोड़ने में मदद करती है।

डॉ. रिषभ ने बढ़ाया मरू भूमि का मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के होनहार चिकित्सक को सुपर स्पेशलिस्ट परीक्षा में तीसरी रैंक जयपुर। जयपुर के प्रतिभाशाली डॉ. रिषभ जैन ने अपनी बौद्धिक क्षमता के बल पर ऑल इंडिया इंस्टिटयूट ऑफ मेडिकल साइंस नई दिल्ली की ओर से आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय परीक्षा में डीएम (ऑकोलॉजी) की

सुपर स्पेशलिस्ट परीक्षा में समूचे देश में तीसरा स्थान प्राप्त कर राज्य का गौरव बढ़ाने का काम किया है।उल्लेखनीय है कि चिकित्सा जगत में अति प्रतिष्ठित इस परीक्षा में तीसरा स्थान प्राप्त करना विशेष उपलब्धि के समकक्ष है। डॉ. रिषभ ने अपना पांच वर्षीय एमबीबीएस और पीजी पाठ्यकम (एमडी) दोनों उपाधियां राज्य की सर्वाधिक प्रतिष्ठित सवाई मानसिह मेडिकल कॉलेज से प्राप्त की। जैन ने '**होनहार बिरवान के होत चिकने पात**' की कहावत को चरितार्थ करते हुए स्कूली शिक्षा और अपनी मेडिकल की पढ़ाई के दौरान हमेशा अव्वल रैंक हासिल की। डॉ. रिषभ ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने टोंक रोड हिम्मतनगर निवासी पिता मनोज जैन अत्तार और माता नीतू जैन के साथ शिक्षकों को देते हुए कहा कि मेरी हार्दिक तमन्ना है कि डीएम कोर्स करने के बाद जयपुर आकर यहां के निवासियों और प्रदेशवासियों की मन, वचन, कर्म से सच्ची सेवा कर सपूत होने का फर्ज निभा पाऊं। भगवान महावीर के सिद्धांतों में अखण्ड विश्वास रखने वाले इस युवा चिकित्सक ने वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान सवाई मानसिह मेडिकल कॉलेज में बतौर रेजीडेंट चिकित्सक पद पर कार्य करते हुए मानवता की मिसाल पेश की। उनके इस चिकित्सीय सेवा भाव और मानवता के प्रति समर्पण को पहले भी सराहा गया है।

टीम हेल्पिंग हैंड्स के कार्यक्रम 'राहत की गर्माहट' का हुआ आयोजन, जरूरतमंदों को बांटे गर्म कपड़े

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। टीम हेल्पिंग हैंड्स का कार्यक्रम 'राहत की गर्माहट' का आयोजन हुआ। कार्यक्रम संयोजक देवेंद्र गोयल ने बताया की कार्यक्रम के दौरान लगभग 350 कपड़े सर्दी से बच ने के लिए जरूरतमन्द बच्चों को बाटे गए गर्म कपड़े को पहन कर बच्चों के चेहरे खिल उठे टीम के सभी सदस्य कार्यक्रम में मौजूद रहे। संयोजक चेतन शर्मा ने बताया कार्यक्रम के प्रमुख भामाशाह रवि शर्मा जी सदैव जरूरतमन्दों के लिए तैयार रहते है। अंत मे जयघोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आर्यिका 105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी ने कहा...

सांसारिक स्वार्थ में इंसान अपने शरीर के सुख के लिए स्वार्थ का कार्य करता है

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में विराजमान आर्यिका 105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी ने अपने प्रवचन में बताया कि सांसारिक स्वार्थ में इंसान अपने शरीर के सुख के लिए स्वार्थ का कार्य करता है। खाने में स्वार्थ अर्थात दूसरे का हिस्से का भी भोजन कर लेना। देखने का स्वार्थ सुनने का स्वार्थ प्रशंसा पाने का स्वार्थ सम्मान पाने का स्वार्थ कपड़ों का स्वार्थ मकान दुकान सोना चांदी जमीन आदि में भी स्वार्थ करता है। किसी के सहयोग में स्वार्थ यह सांसारिक स्वार्थ है सुख पाने के लिए वह दूसरों को कष्ट देता है यदि संसार में रहते हो तो एक सूत्र है जिसे अपना कर जिया तो स्वयं का और पर का जीवन सुखी हो जाएगा। मिलकर रहिए बाट कर खाइए। सांसारिक सुख अकेले नहीं भोगे जाते। परिवार समाज देश विश्व सबके सुख की कामना करना चाहिए और जितना पुरुषार्थ हो उतना पुरुषार्थ भी करना चाहिए बिना अपेक्षा के दूसरों के सुख की भावना करना वात्सल्य है जिस धर्म की प्रभावना हेतु धर्मात्मा के प्रति प्रेम करुणा वात्सल्य है यह वात्सल्य स्वार्थ रहित होता है सम्यगदर्शन के 8 अंगों में एक वात्सल्य अंग है और 16 कारण भावना में एक वात्सल्य भावना है अर्थात संसार में सबके प्रति शुभ भावना रखना धर्म है धर्म से पाप कटता है, पुण्य बढ़ता है, और जीवन में शांति रहती है।

अवसाद के विरुद्ध जोरदार शंखनाद की आवश्यकता

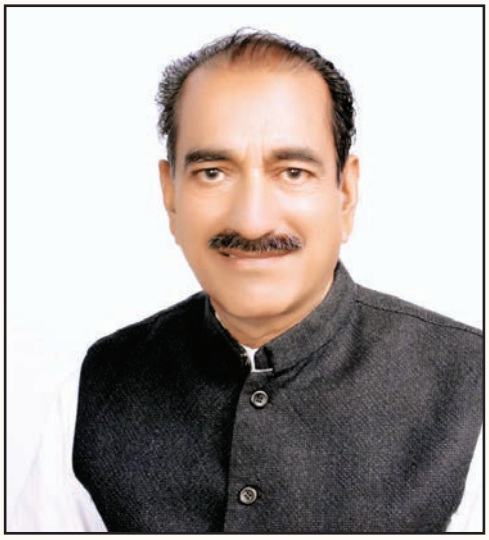

विजय कुमार जैन राघौगढ़ म. प्र.

अवसाद एक ऐसी गंभीर बीमारी है जिसका उपचार दवाओं की अपेक्षा मनोचिकत्सा से संभव है। हमे अगर शुगर उच्च रक्त चाप या पथरी की बीमारी हो जाती है तो इन गंभीर बीमारियों का इलाज दवाओं अथवा शल्य क्रिया से संभव है। अवसाद को अंग्रेजी में डिप्रेशन नाम से जाना जाता है। अवसाद का प्रकोप पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं को अधिक होता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार दस में से पांच महिलाएं अवसाद ग्रस्त हो सकती है जबकि दस पुरुषों में एक ही पीड़ित होता है महिलाओं के अवसाद ग्रस्त होने के पीछे मुख्य रूप से स्त्री जन्य कारण बताये जाते है। वर्तमान में हम देख रहे है पुरुषों एवं महिलाओं की अपेक्षा किशोर व युवा ज्यादा तर अवसाद ग्रस्त हो रहे है। अवसाद किस कारण से होता है यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया जा सकता। मगर माना जाता है इसमें अनेक कारणों की मुख्य भूमिका रहती है। हमने उन कारणों को भी जानने का प्रयास किया है। नींद नहीं आती है या ज्यादा आती है अकेलापन, बेरोजगारी, वित्तीय समस्या, वैवाहिक या अन्य रिश्तों में खटास, शराब या अन्य नशीली वस्तुओं का सेवन करना, कार्य का अधिक बोझ, भोजन की अनियमितता अवसाद से पीड़ित व्यक्ति किसी भी काम में अपना ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाता है जो काम वह आसानी से कर लेता था उस काम को करने में उसे अब कठिनाई है। मोबाइल का रात दिन उपयोग करना भी इसका प्रमुख कारण है। आधुनिक संचार साधन हमारे लिये जितने उपयोगी है उससे अधिक इनका दुरुपयोग आज की युवा पीढ़ी कर रही है। अचानक लोगों से गुडवाय करने लोगों को फोन करना भी व्यक्ति के असामान्य लक्षण माने जाते है। पढ़ाई का अधिक बोझ भी इसका कारण है। आप अपने को निराश और उदास महसूस कर रहे है या तो आपको भूख नहीं लग रही है या आप ज्यादा भोजन कर रहे है आपको ऐसा लगता है आप जीवन से निराश है और आत्महत्या का मन बना रहे है। बहुत ज्यादा अवसाद की वजह से व्यक्ति आत्महत्या करने तक की सोचता है। अवसाद के दौरान व्यक्ति खुद को बिल्कुल असहाय महसूस कर सकता है। और उसे सभी समस्याओं का हल जीवन समाप्त करने में दिखने लगता है। और कोई आत्महत्या करने की बात करता है तो आप मान लें वह डिप्रेशन या अवसाद से ग्रसित है। वर्तमान में पुरुषों, महिलाओं से ज्यादा किशोर जिनकी आयु 12 से 18 वर्ष के बीच होती है ऐसे किशोर अवसाद ग्रस्त ज्यादा मिल रहे है। किशोरावस्था में अत्यधिक चिड़चिड़ापन अवसाद का सबसे बड़ा लक्षण होता है। इस आयु में इस बीमारी से ग्रसित युवक आसानी से क्रोधित हो सकता है । दूसरों से अशोभनीय व्यवहार कर सकता है। वच्चों पर माता पिता द्वारा पढ़ाई के लिये डाला गया अत्यधिक दवाव और दूसरों से स्वंय का आकलन कम करने से भी किशोरों

में डिप्रेशन का प्रमुख कारण हो सकता है। राजस्थान के सुप्रसिद्ध नगर को कोटा देश के प्रमुख शिक्षण नगर के रूप में आज जाना जाता है। यहाँ इतने बड़े कोचिंग संस्थान संचालित हैं जिनमें एक लाख तक छात्र छात्राओं को प्रवेश देकर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का विभिन्न विषयों का कोचिंग दिया जाता है। विगत वर्ष लगभग 6 माह में कोटा में कोचिंग कर रहे लगभग 35 से 40 छात्र छात्राओं द्वारा आत्महत्या करने से अनायास ही हमारा ध्यान इस ओर आकृष्ट हुआ है। लगातार एक ही नगर में छात्र छात्राओं द्वारा पढाई करते हुए जीवन से निराश होकर आत्महत्या करने की घटनाओं से पूरे देश ही स्तब्ध हुआ। जीवन से निराश होकर अवसाद की स्थिति में पहुचे छात्र छात्राएं किशोर अवस्था में थे उन्होंने आत्महत्या करने का निर्णय ले लिया। विगत दिनों जैनाचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के प्रिय शिष्य मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज ने जिनवाणी चैनल पर प्रसारित होने बाले जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम में मेरे प्रश्न ₹अवसाद की स्थिति में छात्र छात्राओं द्वारा आत्महत्या किये जाने को कैसे रोके। ₹ कहा माता पिता का शिक्षा के लिये दबाव ,सह शिक्षा, पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण भौतिक चकाचौध आदि अनेक कारणों के युवक युवती जीवन से निराश होकर अवसाद की स्थिति में पहुंच कर आत्महत्या कर रहे है। भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों की ओर युवा पीढ़ी को आकर्षित कर अवसाद या आत्महत्या करने से रोका जा सकता है। छात्र-छात्राओं द्वारा जीवन से निराश होकर अवसाद ग्रस्त होने की घटनाएँ रोकने उनमें जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से मेरे गृह नगर राघौगढ़ में गत दिवस शासकीय स्नातक महाविद्यालय में ''**मन चंगा तो कठौती में गंगा अवसाद के विरुद्ध शंखनाद**'' विषय पर ज्ञान वर्धक व्याख्यान माला का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ जवाहरलाल द्विवेदी प्रो पी के झा प्रो एच सी पाटनी प्रो बृजेश कुमार को इस प्रयास के लिये साधुवाद देता हूँ कि इन्होंने किशोर छात्र छात्राओं को अवसाद से बचने यह सफल आयोजन किया। मुझे भी इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। व्याख्यानमाला में वक्ताओं में कहा नकारात्मक सोच बदलना होगा। जिनका सोच अगर नकारात्मक है तो हम उनसे दूरी बनाये। इस बात को भी समझें कि जीवन में जब तक असफलता नहीं होगी तब तक सफलता का मूल्य भी नहीं समझ आयेगा। इसलिये असफलता से हर चीज का अंत नहीं समझना चाहिये। यदि आप किसी व्यक्ति को जानते है जो कि अवसाद या डिप्रेशन की वजह से कोई गलत कदम या आत्महत्या करने का मन बना रहा है अथवा सोच रहा है तो तत्काल उसके सगे संबंधियों को सूचित करें। परिवार की ओर से मिली थोड़ी सहानुभूति किसी का जीवन बचा सकती है। कार्यक्रम में समाजसेवी माली कृष्ण गोपाल कश्यप ने छात्र छात्राओं को कभी भी जीवन में आत्महत्या नहीं करने की शपथ दिलायी। अवसाद की स्थिति से हर किसी को बचाने के लिये समाज के हर व्यक्ति को अवश्य ही रचनात्मक प्रयास आवश्यक है।

इस बात को भी समझें कि जीवन में जब तक असफलता नहीं होगी तब तक सफलता का मूल्य भी नहीं समझ आयेगा। इसलिये असफलता से हर चीज का अंत नहीं समझना चाहिये। यदि आप किसी व्यक्ति को जानते है जो कि अवसाद या डिप्रेशन की वजह से कोई गलत कदम या आत्महत्या करने का मन बना रहा है अथवा सोच रहा है तो तत्काल उसके सगे संबंधियों को सूचित करें। परिवार की ओर से मिली थोड़ी सहानुभूति किसी का जीवन बचा सकती है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

जिस तरह खुशी और मुसीबत बिना किसी अपॉइंटमेंट के आ जाती है, उसी तरह अपने आप को हमेशा तैयार रखें

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

मुसीबत आये तो होश ना खोयें और खुशी आये तो जोश पर कन्ट्रोल करें। बहुत कम लोग हैं जो आप बीती और पर बीती को ठीक से समझते हैं। यदि हम पर दुःख का पहाड़ आया और हमने जैसे तैसे उसका सामना किया, ठीक वैसे ही - जब किसी पर दुःख आये तो हम उसी भाव से उसे समझें। वरना इस दुनिया में ऐसे लोग ज्यादा है, जो कहते हैं - फूल आहिस्ते फेको - फूल बड़े नाजुक होते हैं। इसे ही

कहते हैं - दुहरा जीवन। सबका जीवन मूल्यवान है। हमारी खुशी और दूसरों की सफलता हमारे जीवन की उन्नति में वरदान सिद्ध हो सकती है। अधिकांश दुःख, परेशानी, पीड़ा, दर्द हमारी सोच पर निर्भर करते हैं। विचारों और भावनाओं के इन दो रूपों की तुलना हमें दूसरों के सुख शान्ति कल्याण के अनमोल जीवन बनाने में कारण बनेगी। तीन मित्र धन की खोज में घुम रहे थे। चलते चलते अचानक एक मित्र को चांदी की खान दिख गई ओर वह कहते कहते चला गया - हमको हमारा मुकाम मिल गया। दूसरा मित्र उदास परेशान होकर आगे चला जा रहा था कि अचानक उसे भी सोने की खान दिखाई दी ओर वह खुशी से झूम गया और खदान में पहुंच गया। तीसरा मित्र - मरता क्या ना करता, रोते बिलखते, पैर पटकते हुये चला जा रहा था कि अचानक उसे हीरे की खदान दिखी और वह देखते ही बावला हो गया। जिसके भाग्य में जो था वह उसको मिल गया। इसलिए -- किसी की खुशनसीबी से अपने आप को हैरान-परेशान मत करो बल्कि सोचो- परमात्मा के पास देर है अन्धेर नहीं...। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

गंगापुर सिटी में वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर का ससंघ मंगल प्रवेश आज होगा

कई धार्मिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

वात्सल्य वारिधि ,राष्ट्र गौरव, राजकीय अतिथि परम पूज्य आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज का 32 साधु संतों के साथ शुक्रवार सायंकाल 3:00 मंगल प्रवेश होने जा रहा है। पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध कारिणी समिति के अध्यक्ष महावीर जैन साह ने बताया कि आचार्य श्री का शहर मे औद्योगिक क्षेत्र में होते हुए प्रवेश होगा। सैनिक नगर के पास स्थित डीएस साइंस एकेडमी से जैन समाज द्वारा आचार्य श्री को जुलूस के रूप में बैंडबाजों जी के साथ श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर लाया जाएगा।

आज छोटी उदेई में रहेगा रात्रि विश्राम

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध कारिणी समिति के प्रवक्ता नरेंद्र जैन नृपत्या ने बताया कि आचार्य श्री का सुबह बगलाई सरकारी स्कूल से रात्रि विश्राम के बाद मंगल विहार प्रारंभ हुआ। मंगल विहार में सैकड़ों जैन बंधु

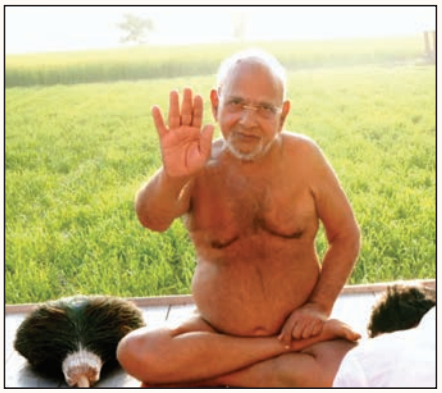

साथ चल रहे थे। आज की आहार चर्या पिलोदा राजकीय विद्यालय में संपन्न हुई। प्रतिक्रमण के बाद पुनः मंगल विहार प्रारंभ हुआ । छोटी उदेई में राजकीय विद्यालय में रात्रि विश्राम रहेगा। उल्लेखनीय है श्री महावीरजी में संपन्न हुए राष्ट्रीय स्तर के पंचकल्याणक महोत्सव एवं मस्तकाभिषेक महोत्सव मंगल सानिध्य प्रदान करने के बाद आचार्य श्री का ससंघ मंगल विहार किशनगढ़ की ओर चल रहा है। आचार्य श्री के साथ 32 साधु संत भी साथ में पद विहार कर रहे हैं।

श्रमण समत्वसागर महाराज ने कहा...

पुण्यात्मा ही जिनालयों के समीप बसते हैं

धर्म- नगरी मड़ावरा में सात मुनिराजों की भव्य अगवानी हुई जहां भक्तों की भक्ति होती है वहाँ संतों का समागम होता है: सुप्रभसागर

मड़ावरा, ललितपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ससंघ, मुनि श्री समत्व सागर जी ससंघ सहित सात दिगम्बर मुनिराज पद विहार करते हुए मड़ावरा पहुँचे । मड़ावरा पहुँचने पर नगर सीमा पर गाजे -बाजे के साथ भव्य अगुवानी श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भक्ति के साथ की। रास्ते में श्रद्धालु जयकारा करते हुए चल रहे थे। जैन समाज द्वारा मुनिद्वय का पाद प्रक्षालन व आरती उतार कर स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने इस दौरान अपने अपने दरवाजे पर भी पाद प्रक्षालन और आरती उतारी। मुनिश्री की अगवानी के लिए सुंदर रंगोली सजाई गई। उल्लेखनीय है कि मुनि संघ का पद विहार बानपुर से कारीटोरन के लिए चल रहा है। इस मौके पर मुनि श्री समत्व सागर महाराज ने कहा कि पुण्यात्मा ही जिनालयों के समीप बसते हैं। साधनों की सदुपयोग करने वाला ही भगवान बन सकता है। दूसरों के भीतर दोष खोजने वाला धर्मात्मा हो ही नहीं सकता। सम्यग्दर्शन को निर्दोष बनाना है तो आठ दोष छोड़कर आठ गुणों को प्राप्त करना आवश्यक है। कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी जरूरी है। जिसने आठ दोषों को खो दिया उन सिद्धोंने ही आठ गुणों का पाया है। उन्होंने कहा कि मांगना अच्छा नहीं है लेकिन यदि मांगने की आदत ही पड़ चुकी है तो अपने घर में मांगों क्योंकि घर में मांगने से हकदार कहलाओगे और दूसरे के दरवाजे पर मांगने से भिखारी, निर्णय आपका। इस

अवसर पर मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ने अपने संबोधन में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जहां भक्तों की भक्ति होती है वहाँ संतों का समागम होता है । उन्होंने कहा कि पानी भी ढलान पर ही बहता है आपकी भक्ति का ही चमत्कार है कि बार बार मुनियों को मड़ावरा की धरती से गुजरना पड़ता है जो बीज पूर्व में बोए गए वह आज की आगवानी में फलता फूलता दिख गया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन नहीं अंदर के दर्शन में जियो। अपने आत्म द्रव्य को पहचानो। दूसरों को नहीं स्वयं को देखो।रूप और स्वरूप में भेदभाव नहीं भेद विज्ञान करो। आत्मा का कल्याण बुद्धि का मान करने से नहीं होगा, अधिक बुद्धिमान बनने से होगा। निर्दोष श्रद्धा ही मोक्षमार्ग की पहली सीढ़ी है। उत्कृत लक्ष्य प्राप्त करने वाला जीव ही उत्तम-सुख को प्राप्त कर सकता है। छोटे- छोटे कार्यों से ही बड़ा बना जाता है बडे कार्य से कोई बड़ा नहीं होता। इस अवसर पर स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य, जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com